Histasy

⇒ साम्प्रदायिक आधार पर निर्वाचन प्रणाली का विस्तार करते हुए इसे सिक्खों, ईसाईयों, आंग्ल-भारतीयों तथा यूरोपियों पर भी लागू कर दिये गया। Expanding the electoral system on communal basis, it was also applied to Sikhs, Christians, Anglo-Indians and Europeans

मुसलमानों ⇒ 1909

⇒ केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका स्थापित की गयी। A bicameral legislature was established at the centre.

bicameral → 2 सदन

⇒ 'राज्य परिषद' (उच्च सदन) तथा 'विधान सभा' (निम्न सदन) 'State Council (Upper House) and 'Legislative Assembly' (Lower House)

केंद्र
- राज्य परिषद
- विधान सभा

⇒ प्रान्तों में द्वैध-शासन (Dyarchy) की स्थापना थी। Dyarchy was established in the provinces

Imp.

बंगाल से → क्लाइव

प्रांतीय विषय
- आरक्षित (Reserved)
- हस्तांतरित (Transferred)

⇒ द्वैध शासन प्रांतों में विफल (fail) → 1927 → गठन → साइमन कमीशन → भारत → 1928

⇒ द्वैध शासन का जनक
father of Dyarch Rule → लियोनिल कर्टिस
↳ Book ⇒ "Dyarchy"

⇒ सुरक्षित विषय (Reserved Subjects), जैसे - वित्त, न्याय, पुलिस आदि।

⇒ हस्तान्तरित विषय (Transferred Subjects), (जैसे - स्थानीय स्वशासन, शिक्षा एवं स्वास्थय आदि।

⇒ द्वैध शासन के जन्म दाता लियोनिल कर्टिस थे। इन्होंने अपनी पुस्तक 'डायकी' में द्वैध शासन का वर्णन किया था। The founder of dual governance was Leonil Curtis. He described dual governance in his book 'Dyarchy'

⇒ केन्द्रीय बजट को राज्य बजट से पृथक कर दिया गया

⇒ प्रत्यक्ष निर्वाचन के लिए पहली बार सीमित संख्या में 'सम्पत्ति एवं कर' को आधार बनाया गया।

⇒ The Central budget was Separated from the State budget. For the first time, a limited number of 'property and tax' were made the basis for direct election.

भारत सरकार अधिनियम 1935

⇒ इसमें कुल 321 अनुच्छेद, 10 अनुसूचियां व 14 भाग थे।
⇒ वर्तमान भारतीय संविधान पर इस अधिनियम का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है।
It had a total of 321 articles, 10 Schedules and 14 parts. This Act has had the greatest impact On the Current Indian Constitution.

ब्रिटिश संसद द्वारा पारित सबसे बड़ा अधिनियम।

* अखिल भारतीय संघ की स्थापना
⇒ केन्द्र में द्वैध शासन Dyarchy at the Centre की स्थापना, प्रांतों द्वैध शासन समाप्त
⇒ संघीय न्यायालय (Federal Court) की स्थापना
↳ Oct. 1937 में, दिल्ली में, मुख्य न्यायाधीश ↳ मौरिस ग्वेयर

ब्रिटिश प्रांत शामिल हो चीफ कमिश्नरी प्रांत शामिल हो → देशी रियासतें से शामिल

देशी रियासतों ने शामिल होने से मना कर दिया, इसीलिए अखिल भारतीय संघ की स्थापना नहीं हो पायी।

⇒ 1 अक्टूबर 1937 से यह न्यायालय कार्यरत हो गया। This Court became functional from 1 October 1937.

⇒ इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर मौरिस ग्वेयर थे। अन्य न्यायाधीशों में दो भारतीय थे। Its first chief Justice was Sir Maurice Gwyer. Among the other judges, two were Indians.

⇒ प्रथम जस्टिस एस० आर० जैकेब एवं दूसरा जस्टिस एम० एस० सुल्तान First Justice M.R. Jacob and Second justice M.S. Sultan.

शक्तियों का विभाजन ⟹ केंद्र एवं प्रांतों के मध्य.

⇒ (संघ सूची (59 - विषय) ⟶ वर्तमान → 100
⇒ प्रान्तीय सूची (54 विषय) तथा ⟶ " " → 61
⇒ समवर्ती सूची (36 विषय) ⟶ " 52
⟹ 7वीं अनुसूची

(Union List (59 Subjects)
Provincial List (54 Subjects) and
Concurrent List (36 Subjects)
इसे हमने आस्ट्रेलिया से लिया है।

⇒ अवशिष्ट विषयों सहित कुछ आपातकालीन अधिकार वायसराय को सौंपा गया था। Some emergency powers including residuary subjects were assigned to the Viceroy

वर्तमान → केंद्र

वर्तमान - राष्ट्रपति के पास

⇒ प्रान्तों में विधान सभा का गठन किया गया। Legislative assemblies were formed in the provinces.

⇒ 1937 का विधान सभा चुनाव इस अधिनियम के लागू होने के परिणाम स्वरूप हुआ। The Legislative Assembly elections of 1937 were held as a result of the implementation of this Act.

1937 - निर्वाचन
↳ 1935 के अधि० के आधार पर।

⇒ इस अधिनियम द्वारा 1935 ई० में वर्मा को भारत से अलग कर दिया गया। तथा दो नए प्रान्त उड़ीसा एवं सिंध का निर्माण हुआ By this Act, Burma was separated from India in 1935 AD. And two new provinces Orissa and Sindh were Created.

वर्मा (म्यांमार)
↳ अलग हुआ → 1937 में

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम - 1947

⇒ 4 जुलाई, 1947 को On July 4, 1947

⇒ ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली द्वारा हाउस ऑफ कॉमंस में पेश किया गया।

Introduced in the House of Commons by British Prime minister Clement Attlee
House of Commons → Loksabha (भारत में)

⇒ 18 जुलाई 1947 को राजकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई। State approval was received on 18 July 1947.

⇒ 15 अगस्त 1947 को दो डोमिनियम राज्यों पाकिस्तान एवं भारत की स्थापना की जायेगी। On August 15, 1947, two dominion states, pakistan and India, would be established

14 Aug. 1947 – पाक० का निर्माण
15 Aug. 1947 – भारत स्वतंत्र

भारत में माउण्टबैटेन को गवर्नर जनरल तथा पं. जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री बनाया गया; जबकि पाकिस्तान में मु० अली जिन्ना को गवर्नर जनरल तथा लियाकत अली को प्रधानमंत्री बनाया गया। In India, Mountbatten was made Governor General and Pt. Jawahar lal Nehru was made prime Minister; while in pakistan, Muhammad Ali Jinnah was made Governor General and Liaquat Ali was made prime Minister.

भारत → G.G → माउंटबेटन
भारत → PM → Pt. J.L. Nehru
पाक० → G.G – मो० अली जिन्ना
पाक० → PM → लियाकत अली

rojgar with ankit

देशी रियासतों को भारत या पाकिस्तान किसी भी अधिराज्य में शामिल होने की छूट होगी। The princely states would be free to join either the dominion of India or pakistan.

⇒ दोनों अधिराज्यों की सीमा का निर्धारण करने के लिए दो सीमा आयोग (पंजाब सीमा आयोग और बंगाल सीमा आयोग) गठित किया गया जिसके अध्यक्ष सर रेडक्लिफ थे। To determine the boundaries of the two dominions, two border Commission (Punjab Boundary Commission and Bengal Boundary Commission) were formed, headed by Sir Radcliffe.

⇒ पूर्वी बंगाल, पश्चिमी पंजाब, सिंध, पश्चिमोत्तर सीमा प्रान्त (NWFP) और असम का सिलहट जिला पाकिस्तान में तथा शेष भाग को भारत में सम्मिलित होना था। East Bengal, West punjab, Sindh, North west Frontier Province (NWFP) and Sylhet district of Assam were to join pakistan and the rest were to join India.

⇒ 14 व 15 अगस्त 1947 को पाकिस्तान तथा भारत नामक दो डोमिनियम राज्यों का गठन किया गया। On 14 and 15 August 1947, two dominion states named pakistan and India were formed

1773 1909
1919
1813 1935
1833 1858

वाकाटक राजवंश [Vakataka dynasty]

वाकाटक राजवंश की स्थापना 255 ई. के लगभग विन्ध्यशक्ति नामक व्यक्ति ने की थी। इसके पूर्वज सातवाहनों के अधीन बरार (विदर्भ) के स्थानीय शासक थे।

The Vakataka dynasty was founded by a person named Vindhyashakti around 255 AD. Its ancestors were the local rulers of Berar (Vidarbha) under the Satavahanas.

वाकाटक वंश का संस्थापक ⇒ विंध्यशक्ति

विन्ध्यशक्ति के पश्चात उसका पुत्र प्रवरसेन प्रथम (275-335 ई०) शासक हुआ। वाकाटक वंश का वह अकेला ऐसा शासक था जिसने सम्राट की उपाधि धारण की थी। पुराणों से पता चलता है कि इसने चार अश्वमेध यज्ञ किया था। After Vindhyashakti, his son pravarsen I (275-335 AD) became the ruler. He was the only ruler of the Vakataka dynasty who assumed the title of emperor. The Puranas reveal that he performed four Ashvamedha yajnas.

विंध्यशक्ति - पुत्र - प्रवरसेन - उपाधि - सम्राट
↳ चार अश्वमेध यज्ञ

प्रवरसेन के पश्चात वाकाटक साम्राज्य दो शाखाओं में विभक्त हो गया - प्रधान शाखा तथा वासीय (वत्सगुल्म) शाखा। दोनों शाखाओं ने समानान्तर रूप से शासन किया। After Pravarasena, the Vakataka empire was divided into two branches - the pradhan branch and the Vasiya (Vatsagulma) branch. Both the branches ruled parallelly

वाकाटक वंश → प्रधान शाखा
→ वासीय शाखा

प्रधान शाखा के प्रमुख राजा - रुद्रसेन प्रथम (335-360 ई०) प्रभावती गुप्त का संरक्षण काल (390-410), प्रवरसेन द्वितीय (410 - 440 ई०) नरेन्द्र सेन (440 - 460 ई०) पृथ्वीसेन द्वितीय (460 - 480 ई०)

Major kings of the main branch - Rudrasen I (335-360 AD), patronage period of Prabhavati Gupta (390-410) Pravarsen II (410 - 440 AD), Narendra Sen (440 - 460 AD) Prithvisen II (460 - 480 AD)

प्रधान शाखा - रुद्रसेन
प्रभावती गुप्ता
प्रवरसेन II nd
नरेन्द्र सेन
पृथ्वीसेन II

rojgar with ankit

गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्ता का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय से किया वाकाटकों का राज्य गुप्त एवं शक राज्यों के बीच था राज्यों पर विजय प्राप्त करने के लिए चन्द्रगुप्त-II ने इस संबंध को स्थापित किया था।

Gupta ruler Chandragupta II married his daughter Prabhavati Gupta to Vakataka king Rudrasen II. The Vakataka kingdom was situated between the Gupta and Shaka kingdoms. Chandragupta II established this relationship to Conquer the kingdoms.

विवाह के कुछ समय बाद रुद्रसेन द्वितीय की मृत्यु हो गई। चूँकि उसके दोनों पुत्र दिवाकर सेन एवं दामोदर सेन अवयस्क थे, अत: प्रभावती गुप्ता ने शासन संभाला। यह काल वाकाटक गुप्त संबंध का स्वर्णकाल रहा।

Rudrasen II died some time after the marriage. Since both his sons Diwakar Sen and Damodar Sen were minors, prabhavati Gupta took over the rule. This period was the golden period of Vakataka Gupta relationship.

rojgar with ankit

प्रभावतीगुप्ता के संरक्षण काल के बाद उसका कनिष्ठ पुत्र दामोदर सेन प्रवरसेन द्वितीय के नाम से गद्दी पर बैठा।
प्रवरसेन II

After the tutelage of prabhavati Gupta, her younger son Damodar Sen ascended the throne as pravarasena II.

पृथ्वीसेन - II वाकाटकों की प्रधान शाखा का अंतिम शासक था। उसके बाद उसका राज्य बासीम शाखा के हरिषेण के हाथों में चला गया।

Prithvisena - II was the last ruler of the main branch of the Vakatakas; After him his kingdom passed into the hand Harishena of the Basim branch